IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

तंत्रिका तंत्र के सभी अवयव का मानव व्यवहार में महत्वपूर्ण भूमिका (मनोविज्ञान मानव व्यवहार के संदर्भ में)

डॉ. सत्येन्द्र सिंह[1] and डॉ. कल्पना दीक्षित[2]

विभागाध्यक्ष, श्री रावतपुरा सरकार कॉलेज, आरी, झाँसी (उ.प्र.)[1]

लेक्चरर, श्री रावतपुरा सरकार कॉलेज, आरी, झाँसी (उ.प्र.)[2]

शोध सारांशः मनोविज्ञान मानव व्यवहार का वैज्ञानिक अध्ययन है। मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्ति के व्यवहार को उसकी शरीर में होने वाले विभिन्न जैविकीय परिवर्तनों, अन्य क्रियाओं, मस्तिष्कीय कार्यों के सम्बन्ध में भी अध्ययन किया गया है। दैहिक मनोविज्ञान में प्राणी के व्यवहार के दैहिक निर्धारकों तथा उनके प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। प्रस्तुत शोध पत्र में हम तंत्रिका कोशिका की संरचना एवं कार्य, तंत्रिका तंत्र के प्रकारों, मस्तिष्क की संरचना एवं कार्य आदि का अध्ययन करने का प्रयास होगा।

मुख्य शब्दः तंत्रिका कोशिका, पार्श्वतंतु, अक्षतंतु, केन्द्रिय, तंत्रिका तंत्र, मेरूरज्जु, प्रतिवर्ती किया, परिधीय, तंत्रिका तंत्र, कायिक, तंत्रिका तंत्र, स्वायत्त तंत्रिका तंत्र आदि।

संदर्भ स्रोतः

[1]. प्रो. कल्पना जैन आचार्या एवं विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।

[2]. डॉ. दैवेन्द्र सिंह सिसोदिया, आचार्या एवं विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, भूपाल नोबेल विश्वविद्यालय, उदयपुर।

[3]. डॉ. एल.एन. बुनकर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।

[4].डॉ. मधु जैन, सह आचार्या एवं विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।

[5].डॉ. तरूण कुमार शर्मा, सहायक आचार्य मनोविज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।

[6].डॉ. विष्वा चौधरी, सहायक आचार्य मनोविज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

[7].डॉ. सुमनबाला, सहायक आचार्य, हरिभाऊ उपाध्याय महिला षिक्षक महाविद्यालय, हटूण्डी, अजमेर।